श्रीः

पञ्चपुष्प

अर्थात्

पांच आख्यायिकाओं का समूह

श्रीछबीलेलालगोस्वामि-

लिखित.

श्रीसुदर्शन प्रेस, वृन्दावन से छपकर प्रकाशित.

(सर्वाधिकार रक्षित)

संवत् १९७२ क्रम

प्रथमवार १०००] [मूल्य पांच आने ।